(389)

# Round Table Summit
## गोल मेज सम्मेलन

London

| | | Congress | B.R. Ambed | M. Jinnah |
|---|---|---|---|---|
| 1st | 1930 | ✗ | ✓ | ✓ |
| 2nd | 1931 | ✓ | ✓ | ✓ |
| 3rd | 1932 | ✗ | ✓ | ✗ |

Irwin

1931

Jin

March 1931

# Civil Disobedient
# सविनय अवज्ञा

- **Salt Satyagraha was a major non-violent civil disobedience movement led by Mahatma Gandhi against the British monopoly on salt production and taxation. (नमक सत्याग्रह महात्मा गांधी द्वारा ब्रिटिशों के नमक उत्पादन और कर पर एकाधिकार के खिलाफ चलाया गया एक प्रमुख अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था।)**
- **The British imposed a heavy salt tax, even though salt was a basic necessity for all, especially the poor. (ब्रिटिश सरकार ने नमक पर भारी कर लगाया हुआ था, जबकि नमक एक मूलभूत आवश्यकता थी, विशेषकर गरीबों के लिए।)**

- Launched on 12 March 1930 as part of the Civil Disobedience Movement. / 12 मार्च 1930 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के भाग के रूप में इसकी शुरुआत हुई।
- Emphasized non – violence and mass participation.
- इसने अहिंसा और जन–भागीदारी पर विशेष जोर दिया।
- Encouraged Indians to break the salt law, stop paying taxes, boycott British goods, resign from government posts, and refuse to cooperate with colonial rule. (गांधीजी ने भारतीयों को प्रेरित किया कि वे नमक कानून तोड़ें, करों का भुगतान बंद करें, ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार करें, सरकारी पदों से इस्तीफ़ा दें, और औपनिवेशिक शासन से असहयोग करें।)

# Dandi March

- The salt Satyagraha began with the historic Dandi March, where Gandhi walked from Sabarmati Ashram (Ahmedabad) to Dandi, a coastal village in Gujrat. (नमक सत्याग्रह की शुरुआत ऐतिहासिक दांडी मार्च से हुई, जिसमें महात्मा गांधी साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से गुजरात के तटीय गाँव दांडी तक पैदल चले।)
- Start date (प्रारंभ तिथि): 12 Mar 1930
- End date (समाप्ति तिथि): 6 Apr 1930
- Distance (दूरी) : 240 Miles (390 KM)
- Participants : Gandhi + 78 selected volunteers (satyagrahis).
- प्रतिभागी: गांधीजी + 78 चयनित स्वयंसेवक (सत्याग्रही)

Abbas Taiyabji

# Impact

- The movement spread like wildfire across India ; people made salt, boycotted foreign cloth, and refused to pay taxes. (यह आंदोलन पूरे भारत में तेजी से फैल गया; लोगों ने नमक बनाया, विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया और कर (टैक्स) देने से इंकार कर दिया।)
- British government responded with mass arrest – over 40,000 people, including Gandhi. (ब्रिटिश सरकार ने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ शुरू कीं – 40,000 से अधिक लोगों को, जिनमें गांधीजी भी शामिल थे, गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा।)
- It became one of the most successful mass movements in India's freedom struggle. (यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे सफल जन–आंदोलनों में से एक बन गया।)
- Led to the Gandhi – Irwin Pact (1931) and Gandhi's participation in the Second Round Table Conference. (इसके परिणामस्वरूप गांधी–इरविन समझौता (1931) हुआ और गांधीजी ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।)

**After the arrest of Gandhi ji, who led the Salt March ?**

# ROUND TABLE CONFERENCES

- **The Round Table Conference (RTCs) were three meetings held in London between 1930 and 1932 to discuss constitutional reforms in India. (राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस (RTC) लंदन में 1930 से 1932 के बीच आयोजित तीन बैठकों की श्रृंखला थी, जिनका उद्देश्य भारत के लिए संवैधानिक सुधारों पर चर्चा करना था।)**
- **They were the result of the Simon Commission (1927) and the growing pressure from national movements like the Civil Disobedience Movement. (ये सम्मेलन साइमन कमीशन (1927) की रिपोर्ट और सविनय अवज्ञा आंदोलन जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों के बढ़ते दबाव का परिणाम थे।)**

# First Round Table Conference (1930)

- **Date : November 1930 – January 1931 / तिथि : नवंबर 1930 – जनवरी 1931**
- **Indian National Congress (INC) boycotted it because the Civil Disobedience Movement was ongoing. / भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया क्योंकि उस समय सविनय अवज्ञा आंदोलन जारी था।**
- **Attended by princes, liberals, minorities, and other groups.**
- **इसमें राजकुमारों, उदारवादियों, अल्पसंख्यकों और अन्य समूहों ने भाग लिया।**
- **Outcome: Agreement on the idea of Federal Government in India, but no major progress due to absence of INC.**
- **परिणाम: भारत में संघीय सरकार (Federal Government) के विचार पर सहमति बनी, लेकिन कांग्रेस की अनुपस्थिति के कारण कोई बड़ा निर्णय नहीं हो सका।**

# Gandhi - Irwin Pact (1931)

- **The Gandhi – Irwin Pact was an agreement signed on 5 March 1931 between Mahatma Gandhi and Lord Irwin (the Viceroy of India).**
  **गांधी–इर्विन समझौता 5 मार्च 1931 को महात्मा गांधी और लॉर्ड इर्विन (भारत के वायसराय) के बीच किया गया एक महत्वपूर्ण समझौता था।**
- **It ended the first phase of the civil disobedience Movement and created conditions for political negotiation. / इससे सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रथम चरण का अंत हुआ और राजनीतिक वार्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ।**

# Key Provisions

**What the British Agreed to :**

- **Withdraw all ordinances and repressive measures issued during the civil Disobedience Movement.** (सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान जारी सभी अध्यादेशों और दमनकारी उपायों को वापस लेना।)
- **Release all political prisoners, except those involved in violent activities.** (सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करना सिवाय उनके जो हिंसक गतिविधियों में शामिल थे।)
- **Restore confiscated lands to farmers wherever possible.**
- जहाँ संभव हो, किसानों की जब्त की गई ज़मीनें वापस करना।
- **Allow peaceful picketing of liquor and foreign cloth shops.**
- शराब और विदेशी कपड़ों की दुकानों पर शांतिपूर्ण पिकेटिंग की अनुमति देना।
- **Permit Indians to make salt for personal use along the coast.**
- तटवर्ती क्षेत्रों पर व्यक्तिगत उपयोग के लिए नमक बनाने की अनुमति देना।

## What Gandhi/INC Agreed to :

- Suspend the Civil Disobedience Movement.
- सविनय अवज्ञा आंदोलन को निलंबित करना।
- Participate in the Second Round Table Conference in London.
- लंदन में होने वाले दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना।
- Stop all forms of boycott against British goods and government institutions. (ब्रिटिश वस्तुओं और सरकारी संस्थाओं के सभी प्रकार के बहिष्कार को रोकना।)

# Second Round Table Conference (1931)

- **Date : September – December 1931 (तिथि : सितंबर – दिसंबर 1931)**
- **Gandhi participated as the sole representative of INC after the Gandhi – Irwin Pact. (गांधी–इरविन समझौते के बाद गांधीजी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में इस सम्मेलन में भाग लिया।)**
- **Discussion focused on / मुख्य चर्चा के विषय :**
- **Minority representation/ अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व**
- **Separate electorates / पृथक् निर्वाचक मंडल**
- **Federal structure / संघीय ढाँचा**
- **Sarojini Naidu represented Indian women.**
- **भारतीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व सरोजिनी नायडू ने किया।**
- **Outcome : Failed due to disagreement, especially between Gandhi and B.R. Ambedkar over separate electorates for the depressed classes.**
- **परिणाम :यह सम्मेलन असफल रहा क्योंकि अनेक मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी– विशेषकर गांधीजी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच depressed classes (दलित वर्ग) के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों के विषय पर।**

(16th August

- Finally separate elections were conducted and every community got their leaders.
- अंततः अलग-अलग चुनाव कराए गए और प्रत्येक समुदाय को अपने नेता मिल गए।
- Mahatma Gandhi was against these community elections and protested against them / महात्मा गांधी इन सामुदायिक चुनावों के विरुद्ध थे और उन्होंने इसके खिलाफ विरोध भी किया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।. But nobody cared.

# Poona Pact

- **Date: 24th September 1932**
- **तारीख: 24 सितंबर 1932**

- **Agreement signed between Mahatma Gandhi and B R Ambedkar at Yarwada Central jail with the help of C Rajagopalachari and M. M. Malviya.**
  **(येरवाड़ा सेंट्रल जेल में महात्मा गांधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के बीच सी राजगोपालाचारी और एम. एम. मालवीय की मदद से एक समझौता पर हस्ताक्षर किए गए।)**

# Third Round Table Conference (1932)

- Date : November – December 1932 / तिथि : नवंबर – दिसंबर 1932
- INC again boycotted it./ INC (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) ने इस सम्मेलन का फिर से बहिष्कार किया।
- Very few Indian leaders attended.(बहुत कम भारतीय नेता इसमें शामिल हुए।)
- **Outcome :** led to the formulation of the Government of India Act 1935, which introduced provincial autonomy and a federal scheme.
- **परिणाम :**इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार अधिनियम 1935 का प्रारूप तैयार हुआ, जिसमें प्रांतीय स्वायत्तता और संघीय ढाँचा शामिल थे।
- Note : B.R. Ambedkar attended all the three RTCs.
- डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों (RTCs) में भाग लिया था।